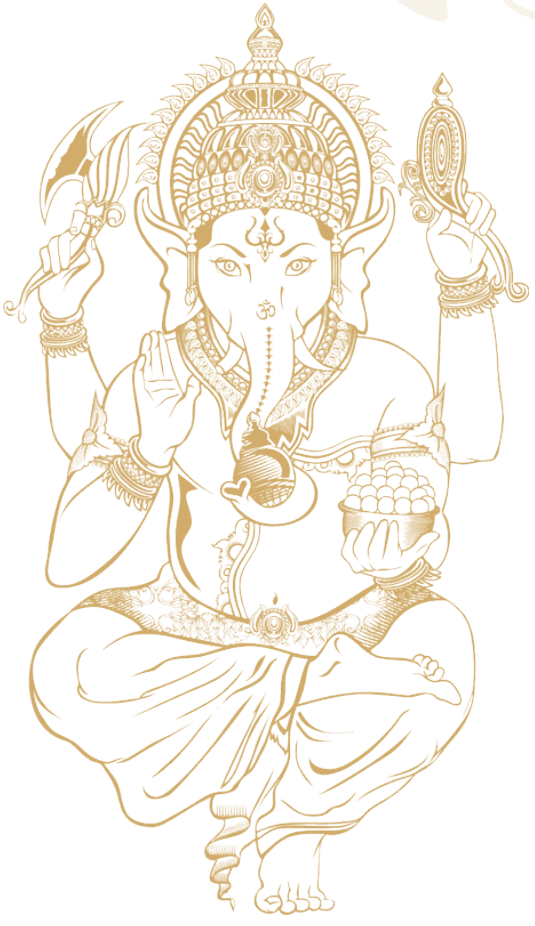

?????? ?????

02 Jan 2001

11:14 AM

Dehradun

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121857802

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
02/01/2001	जन्म तिथि	**02/01/2026**
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:14:00	जन्म समय	21:08:25 घंटे
घटी 09:57:45	जन्म समय(घटी)	34:43:51 घटी
India	देश	India
Dehradun	स्थान	Dehradun
उत्तर 30:19:00	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
पूर्व 78:03:00	रेखांश	78:03:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:48	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:54	सूर्योदय	07:14:52
17:29:01	सूर्यास्त	17:29:00
23:52:00	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:19

मीन	लग्न	सिंह
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
मीन	राशि	मिथुन
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	आर्द्रा
शनि	नक्षत्र स्वामी	राहु
2	चरण	1
वरियान	योग	ब्रह्म
वणिज	करण	विष्टि
थ-थानसिंह	जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
गौ	योनि	श्वान
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मार्जार
25	गत/तत्कालिक वर्ष	26

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पू०भाद्रपद	4	00:16:21	मीन			लग्न			सिंह	05:29:47	2	मघा
पूर्वाषाढ़ा	2	18:01:47	धनु			सूर्य			धनु	18:01:47	2	पूर्वाषाढ़ा
उ०भाद्रपद	2	09:59:35	मीन			चंद्र			मिथु	07:20:25	1	आर्द्रा
स्वाति	2	11:47:42	तुला			मंगल		अ	धनु	19:43:59	2	पूर्वाषाढ़ा
पूर्वाषाढ़ा	3	22:25:07	धनु		अ	बुध		अ	धनु	06:57:27	3	मूल
कृतिका	4	08:13:34	वृष	व		गुरु	व		मिथु	26:55:08	3	पुनर्वसु
धनिष्ठा	4	04:27:57	कुंभ			शुक्र		अ	धनु	17:03:47	2	पूर्वाषाढ़ा
कृतिका	2	00:40:20	वृष	व		शनि			मीन	02:02:38	4	पू०भाद्रपद
पुनर्वसु	1	21:39:35	मिथु			राहु	व		कुंभ	16:28:53	3	शतभिषा
पूर्वाषाढ़ा	3	21:39:35	धनु			केतु	व		सिंह	16:28:53	1	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	1	24:50:38	मक			मु			मेष	00:16:21	1	अश्विनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:19

लग्न-चलित

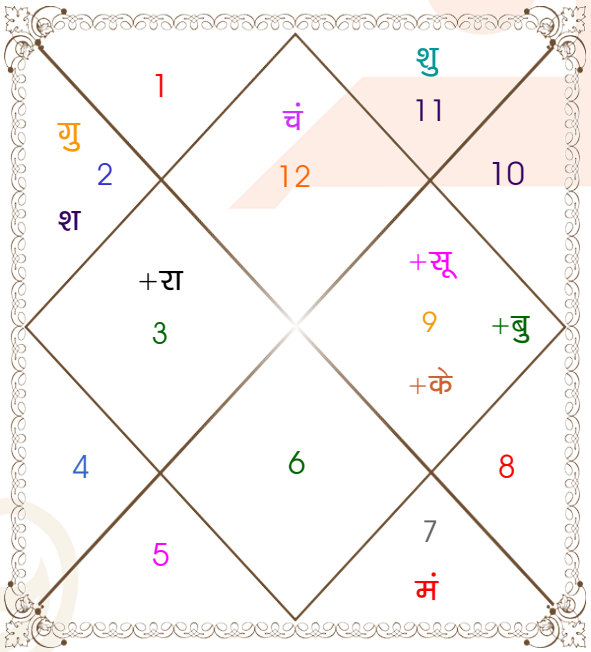

वर्ष लग्न कुंडली

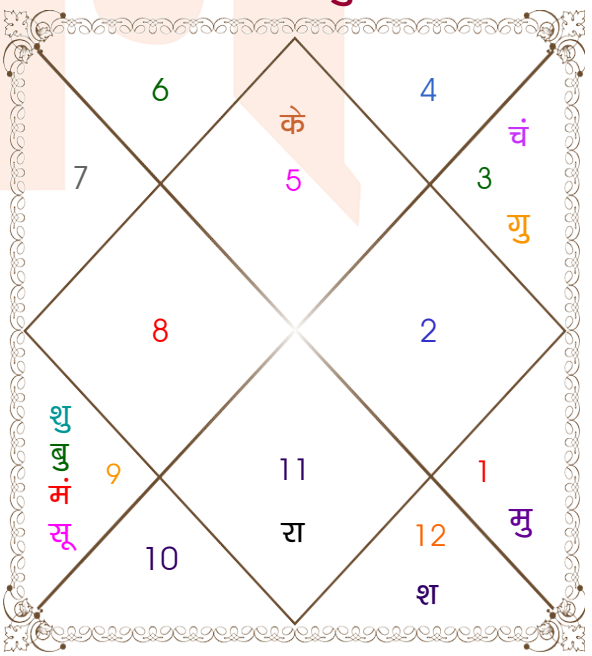

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - शनि - सूर्य	
28/03/2026 06:14	
16/05/2026 09:59	
सूर्य	30/03/2026 17:13
चंद्र	03/04/2026 19:32
मंगल	06/04/2026 16:21
राहु	14/04/2026 01:19
गुरु	20/04/2026 14:37
शनि	28/04/2026 09:25
बुध	05/05/2026 08:33
केतु	08/05/2026 05:22
शुक्र	16/05/2026 09:59

बुध - शनि - चंद्र	
16/05/2026 09:59	
06/08/2026 08:15	
चंद्र	23/05/2026 05:51
मंगल	28/05/2026 00:33
राहु	09/06/2026 07:29
गुरु	20/06/2026 05:39
शनि	03/07/2026 04:59
बुध	14/07/2026 19:32
केतु	19/07/2026 14:14
शुक्र	02/08/2026 05:56
सूर्य	06/08/2026 08:15

बुध - शनि - मंगल	
06/08/2026 08:15	
02/10/2026 16:38	
मंगल	09/08/2026 16:33
राहु	18/08/2026 07:00
गुरु	25/08/2026 22:31
शनि	04/09/2026 00:27
बुध	12/09/2026 03:26
केतु	15/09/2026 11:43
शुक्र	25/09/2026 01:07
सूर्य	27/09/2026 21:56
चंद्र	02/10/2026 16:38

बुध - शनि - राहु	
02/10/2026 16:38	
27/02/2027 03:55	
राहु	24/10/2026 19:32
गुरु	13/11/2026 11:26
शनि	06/12/2026 19:49
बुध	27/12/2026 17:13
केतु	05/01/2027 07:40
शुक्र	29/01/2027 21:33
सूर्य	06/02/2027 06:31
चंद्र	18/02/2027 13:27
मंगल	27/02/2027 03:55

बुध - शनि - गुरु	
27/02/2027 03:55	
08/07/2027 05:56	
गुरु	16/03/2027 15:23
शनि	06/04/2027 09:30
बुध	24/04/2027 23:11
केतु	02/05/2027 14:42
शुक्र	24/05/2027 11:02
सूर्य	31/05/2027 00:20
चंद्र	10/06/2027 22:31
मंगल	18/06/2027 14:02
राहु	08/07/2027 05:56

केतु - केतु - केतु	
08/07/2027 05:56	
16/07/2027 22:44	
केतु	08/07/2027 18:07
शुक्र	10/07/2027 04:55
सूर्य	10/07/2027 15:21
चंद्र	11/07/2027 08:45
मंगल	11/07/2027 20:56
राहु	13/07/2027 04:15
गुरु	14/07/2027 08:05
शनि	15/07/2027 17:09
बुध	16/07/2027 22:44

केतु - केतु - शुक्र	
16/07/2027 22:44	
10/08/2027 19:18	
शुक्र	21/07/2027 02:10
सूर्य	22/07/2027 07:59
चंद्र	24/07/2027 09:42
मंगल	25/07/2027 20:30
राहु	29/07/2027 13:59
गुरु	01/08/2027 21:32
शनि	05/08/2027 19:59
बुध	09/08/2027 08:30
केतु	10/08/2027 19:18

केतु - केतु - सूर्य	
10/08/2027 19:18	
18/08/2027 06:17	
सूर्य	11/08/2027 04:15
चंद्र	11/08/2027 19:10
मंगल	12/08/2027 05:37
राहु	13/08/2027 08:27
गुरु	14/08/2027 08:19
शनि	15/08/2027 12:39
बुध	16/08/2027 14:01
केतु	17/08/2027 00:27
शुक्र	18/08/2027 06:17

केतु - केतु - चंद्र	
18/08/2027 06:17	
30/08/2027 16:34	
चंद्र	19/08/2027 07:08
मंगल	20/08/2027 00:32
राहु	21/08/2027 21:17
गुरु	23/08/2027 13:03
शनि	25/08/2027 12:17
बुध	27/08/2027 06:32
केतु	27/08/2027 23:56
शुक्र	30/08/2027 01:39
सूर्य	30/08/2027 16:34

केतु - केतु - मंगल	
30/08/2027 16:34	
08/09/2027 09:22	
मंगल	31/08/2027 04:45
राहु	01/09/2027 12:04
गुरु	02/09/2027 15:54
शनि	04/09/2027 00:58
बुध	05/09/2027 06:33
केतु	05/09/2027 18:44
शुक्र	07/09/2027 05:32
सूर्य	07/09/2027 15:58
चंद्र	08/09/2027 09:22

केतु - केतु - राहु	
08/09/2027 09:22	
30/09/2027 18:17	
राहु	11/09/2027 17:54
गुरु	14/09/2027 17:30
शनि	18/09/2027 06:30
बुध	21/09/2027 10:34
केतु	22/09/2027 17:53
शुक्र	26/09/2027 11:23
सूर्य	27/09/2027 14:13
चंद्र	29/09/2027 10:58
मंगल	30/09/2027 18:17

केतु - केतु - गुरु	
30/09/2027 18:17	
20/10/2027 15:33	
गुरु	03/10/2027 09:55
शनि	06/10/2027 13:29
बुध	09/10/2027 09:06
केतु	10/10/2027 12:56
शुक्र	13/10/2027 20:29
सूर्य	14/10/2027 20:21
चंद्र	16/10/2027 12:07
मंगल	17/10/2027 15:57
राहु	20/10/2027 15:33

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।